

Sl.No. :

Zm_nf\$	Roll No.

No. of Questions – 29

No. of Printed Pages – 7

**SS-01-Hindi (C)**

કુદાનાંદાય  
કુદાનાંદાય

કુદાનાંદાય  
કુદાનાંદાય

કુદાનાંદાય  
કુદાનાંદાય

**Cf \_nÜ`{\_H\$ narj m 2019**

**SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019**

**{hYXr (A{Zdm` )**

**g\_` : 3½ KÊQø**

**nÜmH\$ : 80**

**narj nW©nH\$ {bE gm\_m` {ZX}e ...**

- 1) narj nWu gd@W\_ AnZoàÍZ nì na Zm\_nf\$ A{Zdm` @...{bI |&
- 2) g^r àÍZ H\$ZoA{Zdm` @hc&
- 3) aE` H\$ àÍZ H\$m CÎma Xr JB©CÎma-nñVH\$m\_|{ZYmP V eâX-gr\_m\_|{bI |&
- 4) {Og àÍZ H\$ A, ~, g, X ^mJ h¢ CZ g^r ^mJñH\$mhb EH\$ gmW gW^2{bI |&

1) {ZāZ[b{I V An{RV JÚne H\$onT]H\$ a nNoJE àíZn|H\$ Cîm {b{I E -

(Cîm gr\_m 20 g030 eāX)

dV©mZ gr|hË¶H\$an | H\$' @{^o\$ H\$m A^nd h& ¶h EH\$ H\$Sdr g,fnB©h; na h' CgH\$ An goAn | Zht ~YX H\$ a gH\$V A^r VH\$ h' Zo gr|hË¶ H\$m On AnKe©AnZo gmr Zo aI m Wm CgH\$ {bE H\$' ©H\$ An d1¶H\$VmZ Wr& H\$' nPnd hr CgH\$mJnU Wm 3¶H\$ A³ga H\$' ©AnZognW nj nmV An gH\$UvH\$^r bml/mh& AJa H\$B©AnK' r Yn' P\$ hmH\$ a AnZr Yn' P\$Vmna JdH\$@ VnBggH\$ht AÀNmh; {H\$ dh Yn' P\$ Z hmH\$ "I nAn -{nAn' nO H\$an H\$m]b hm EgmnðANÝXmMar VnBpdA H\$ X¶m H\$m A{YH\$ar hm^r gH\$Vm h; na Yn' P\$Vm H\$m A{^' mZ aI ZodmboH\$ {bE BgH\$ ga^ndZm Zht&

A) EH\$ gr|hË¶H\$ a H\$m 3¶m AnKe©nZm Mn|hE? [2]

~) Yn' P\$Vm H\$m A{^' mZ aI ZodmboBpdA H\$ X¶m H\$m nm 3¶m Zht hmogH\$Vm? [2]

2) {ZāZ[b{I V An{RV nÚne H\$onT]H\$ a nNoJE àíZn|H\$ Cîm {b{I E -

{JaZm 3¶m CgH\$ CRm hr Zht On H\$^r?

'chr VnCRm Wm Am, {JaVm h;On A^r&

{' \$a ^r CRm Am ~TH\$ ah;um ' &

Za hñief hñ' & MT\$H\$ ah;um ' &

MnhOOhm' eoCRZoH\$ {bE Rm h;

CRZm' Pohr Zht EH\$ ' m arVohnW,

' ar XdVm ^r Am D\$Mr CR@' aognW&

A) Cb{V H\$ gX^o | ' Zm H\$ 3¶m {defVm h? [2]

~) àñVW H\$m¶ne h' | 3¶m àaUm XVm h?

3  
I ES>- I

- 3) {ZःZ{b{I V आ॒र्थि॑की॒या॑ ए॒से॑ ग॒वान्॑ क॒रना॑। {b{I E -  
 A) अ॒में॑ आ॒र्थि॑की॒या॑ ह॒ै? [1]  
 ~) अ॒में॑ आ॒र्थि॑की॒या॑ ग॒वान्॑ ह॒ै? [1]
- 4) ad न॒हीं॑ व॒ही॑ ज॒ल्दी॑ न॒हीं॑ {b{I E -  
 A) न॒हीं॑ {ह॒व॑ ज॒ग॑ इ॑त्ता॑ न॒हीं॑ ह॒ै  
 ~) न॒हीं॑ आ॒ज॑ ग॒वान्॑ इ॑त्ता॑ ह॒ै [1]
- 5) ग्रे॑ ह॒र॑ ल॒ब॑ व॒ग॑ प॑ ह॒र॑ ग॒वान्॑ न॒हीं॑ ह॒ै  
 Cn॑प॑ \$ dm॑प॑ | {ZःhV आ॒र्थि॑की॒या॑ ए॒से॑ ह॒ै [1 + 1 = 2]
- 6) प॑मा॑ आ॒र्थि॑की॒या॑ {Mिं॑ह॑ ज॑व॑ ग॑प॑ प॑ ज॑ह॑ ह॒ै  
 आ॒र्थि॑की॒या॑ अ॑प॑ न॒हीं॑ आ॒र्थि॑की॒या॑ ए॑प॑ ए॑प॑ स॑, द॑ब॑ ह॒ै  
 Cn॑प॑ \$ ह॒र॑ प॑ न॒हीं॑ | ह॒र॑ ग॑म॑ अ॒र्थि॑की॒या॑ ह॒ै g' प॑र्व॑ E& [1 + 1 = 2]
- 7) {ZःZ{b{I V आ॒र्थि॑की॒या॑ ए॒से॑ ग॑र्व॑ आ॒र्थि॑की॒या॑ ए॒से॑ ग॑र्व॑ | {b{I E - [1 + 1 = 2]  
 A) Eligible  
 ~) Gazett
- 8) अ॒र्थि॑की॒या॑ ग॑र्व॑ ह॒ै आ॒र्थि॑की॒या॑ ग॑र्व॑ आ॒र्थि॑की॒या॑ ग॑र्व॑ ह॒ै [2]
- 9) {ZःZ{b{I V {df॑प॑ | go॑ह॑ gr॑ EH॑ {df॑प॑ na॑ bJ॑^J॑ 300॑ e॑र्व॑ | gm॑J॑{^प॑ {Z~Y॑ {b{I E - [4]  
 A) ' व॑र्षा॑ म॑र्जना॑ आ॑प॑ र॑  
 ~) अ॒र्थि॑की॒या॑ ग॑र्व॑ ' ब॑  
 g) न॒दी॑प॑ ह॒ै | द॑र्शन॑ ह॒ै  
 X) ' अ॑र्थि॑की॒या॑ ग॑र्व॑

4  
I ES>- J

---

- 10) {ZāZ{b{I V nÚñem' | go{H\$gr EH\$ nÚñe H\$ gág§ i¶m»¶mH\${OE - [1 + 2 + 1 = 4]  
(Cîma-gr\_m bJ^J 80 eãX)}

JéS>H\$ Xndm OgoZmJ H\$ g' j na  
Xndm ZmJ Oj na qgh {gaVmO H\$  
Xndm nphj H\$ mnhmZ H\$ H\$ na  
Xndm g~j npÀNZ H\$ Jnbo na ~mO H\$  
^fZ A I \$>Zd I \$>' {h' \$b ' |

AWdm

AmOm~MnZ EH\$ ~m { ' \$a XoXoAnZr {Z' D em'V&  
i¶mH\$ i¶Wm { ' OmZoditbr ¶h AnZr àmH\$ {dI m'V&&  
dh ^mbr gr ' Ym gabVm dh B¶m OrdZ {Zinm&  
3¶mAnH\$ { ' \$a { ' OmgH\$UmVy' eo' Z H\$mgYm&&  
' C~MnZ H\$ ~mahr Wr ~m CRs {~{O¶m' ar&  
ZKZ-dZ-gr ' \$o CRs dh NmO gr H\$O¶m' ar&&

- 11) {ZāZ{b{I V JÚñem' | go{H\$gr EH\$ JÚñe H\$ gág§ i¶m»¶mH\${OE - [1 + 2 + 1 = 4]  
(Cîma-gr\_m bJ^J 80 eãX)}

{Og àH\$ gil r hmZoH\$à¶¶t\$ àmUr H\$ A(YH\$ h; Cgr àH\$ ' i¶VmV\$ h mZoH\$^r& na H\$' ©j ð  
H\$ MH\$¶j ' n¶¶t\$ {Og àH\$ gil r hmZm à¶¶Z-gm¶¶t\$ h mVm h; Cgr àH\$ {Z^¶ ahZm ^r& {Z^¶Vm H\$  
g¶¶KZ H\$ {bE Xm~mV An¶j V h¢ nhbr Vm¶¶t\$ {H\$ Xigar H\$ h' go{H\$gr àH\$ H\$^¶¶t\$ i>Z hm Xigar  
¶¶t\$ {H\$ h' H\$ H\$ i>¶m^¶¶t\$ nhMmZoH\$mgmhg Z H\$ gH\$ BZ' | goEH\$ H\$mgfYY CÉH\$ i>erb goh; Am Xigar  
H\$ne{°\$ Am níefmWg&

AWdm

¶¶t\$ PoknV hmVm h; {H\$ ~mOm H\$mgmW¶¶Vm^r dhr ' Zm¶¶t\$ XVm h; OmOmVm h; {H\$ dh 3¶mMmVm h&  
Am OmZht OmVm {H\$ d0 3¶mMmVmohç AnZr "nMjOJ nmda' H\$ Jd© | AnZongogoH\$ db EH\$ {dZmeh\$  
e{°\$-eVmZr e{°\$ i¶¶t\$ H\$ e{°\$ hr ~mOm H\$Vmohç Z Vmido~mOm gobm^ CRmgH\$Vmohç Z Cg ~mOm H\$  
g¶¶bm^ XogH\$Vmohç dobm^ ~mOm H\$ m-nOménZ ~TmVmohç {OgH\$ ' Vb~ h; {H\$ H\$ nQ>~TmVmohç H\$ nQ>H\$  
~TmVmohç AW¶¶na ' | gX^¶¶d H\$ Ko¶¶

- 12) ""{a\Pda! Amn ^b J\Pohc{H\$ h' ZoBg {dYmZ H\$g CXx\P H\$ n\jV^H\$ {bE ~Zm\m h&'' \anVW H\$WZ {H\$gZo{H\$g g\P^C | 3\Pn H\$hm? (C\m-gr\_m80 e\X) [4]

AWdm

ghOVmEd\\$ gabVmgoOrdZ OrZo' | O\m ver {' bVr h; dh I ver ~mhç VSH\$-^SH\$ ' | Zht, ~p\H\$ A\Va H\$ \NTVm | h& "Vn(bE' Zm H\$ EH\\$H\\$ H\$ AnVm na {gO H\$(OE& (C\m-gr\_m80 e\X)

- 13) ahr' H\$ Zr{VJV XnbmH\$ AmVm na CZH\$ bnb\\$-i\Pdhm H\$ grI H\$ng' PnBE& (C\m-gr\_m80 e\X) [4]

AWdm

"Cfm H\$(dVm ' | H\$cd Zo\mV: H\$borZ g\PnX\P H\$m Ord\IV n[ade H\$m{M} U {H\$tm h; H\$g\> \nni>H\$(OE&

- 14) ""h[a AaOU a; h\\$, aW H\$a hm^P\mam(O\Pm' H\$m\P n§^3V H\$m ^ndnW\>nni>H\$(OE& (C\m-gr\_m40 e\X) [2]

- 15) J\m\P H\$ {bE I r H\$U H\$ n' \V {XbmZodmbr g^r dnV\>gymXm\P H\$ H\$go~Z JB\> (C\m-gr\_m40 e\X) [2]

- 16) 'bZVH\$e bm\P H\$ I ' Am CZH\\$ ' OX\ir H\$ ' \p H\$ngom\m Om gH\$Vm h;? (C\m-gr\_m40 e\X) [2]

- 17) bd H\$ Zoh\\$gnZr H\$ VbZm\p d0\ab\>S>g\>^3\P H\$ h;? (C\m-gr\_m40 e\X) [2]

- 18) H\$cd h[ad\> am\> ~fZ AWdmAmMm\>am M\> er\>b H\$ngm(hp\>H\$ n[aM\P {b{I E - [2 + 2 = 4] (C\m-gr\_m40 e\X)

- 19) Zm\P H\$ Zm\P H\$ H\$on\> 3\Pn Zht {bI nmahr h;? [2]

**6**

- 20) "A~ V̄ BgH̄m' H̄mZ ~ZmAn̄P̄m' hb, ' t̄AnZo{Ma-(dI m̄ - J̄h ' | OmVr h̄" dm̄3P̄ {H̄gZoEd§H̄~ H̄sh̄m̄ [2]

I ES>- K

- 21) "P̄h ' ar {^j m̄h̄ V̄ihm̄oAm̄oAm̄b ngm̄Vr h̄" àñV̄ dm̄3P̄ {H̄gZoEd§3P̄n̄ H̄sh̄m̄? [2]

(C̄m̄ gr\_m̄40 eãX)

- 22) I n̄Kr H̄mOY' H̄gohAm̄ ḡE P̄ H̄ àP̄m̄ nnR>H̄ Am̄Ym̄ na {b{I E& [2]

(C̄m̄ gr\_m̄40 eãX)

- 23) P̄X XrK̄Z:Ídng H̄meãXn̄' | A Zm̄n̄K h̄ngH̄, V̄m̄CgH̄s àV̄üd{Z H̄sh̄l& Am̄, ' amJm̄nbH̄ Xe! Eḡm̄3P̄ {H̄gZo H̄sh̄m̄? [2]

(C̄m̄ gr\_m̄40 eãX)

AWdm

"' ar ' ïP̄gonhbōEH̄ ~m̄ ' P̄oAnZm̄l r' W {XI b̄m̄ZoH̄s H̄nm̄H̄sP̄' Eḡm̄ {H̄gZo3P̄n̄ H̄sh̄m̄?

(C̄m̄ gr\_m̄40 eãX)

- 24) {M̄m̄S>Om̄v̄-Om̄v̄bd H̄ H̄m̄öXp̄ ^ndZmAn̄H̄ CÜd goC „{gV 3P̄n̄h̄m̄CR̄? H̄m̄Un̄H̄m̄nn̄i>H̄s{OE& [2 + 2 + 2 = 6]  
(C̄m̄ gr\_m̄80 eãX)

AWdm

n̄P̄ Jn̄dYX Jé Ed§' hm̄Om̄gr̄O' b H̄ OrdZ-M̄aV Ed§gm̄ m̄OH̄ g' aj Vm̄H̄ P̄m̄Xm̄Z H̄m̄nn̄i>H̄s{OE&  
(C̄m̄ gr\_m̄80 eãX)

7  
I ES>- L>

25) dV<sup>o</sup>mZ g'Pi' | bd Z A{^iPi<sup>o</sup>\$ H\$mg~goge<sup>o</sup>\$ Am gaPi<sup>o</sup>mr ' nPi' 3Pi<sup>o</sup>hj Ed§3Pi<sup>o</sup>hj? [2]

(Cīm gr\_m40 eāX)

26) '\$Ma Ed§bd ' | 3Pi<sup>o</sup>AñVa hj? [2]

(Cīm gr\_m40 eāX)

27) nñH\$laVmH\$ H\$Z-H\$Z goj ñ hP {H\$gr EH\$ H\$ng' PnBE& [2]

(Cīm gr\_m40 eāX)

28) [annññ 3Pi<sup>o</sup>hj? [annññ H\$ {defVñE½b{I E& [3]

(Cīm gr\_m60 eāX)

29) grñhñP ' | Sañlar bd Z H\$ñ 3Pi<sup>o</sup> hñd hj? Sañlar àH\$neZ H\$ñ à'ñ n{ñH\$ñAñH\$ñZñ {b{I E& [3]

(Cīm gr\_m60 eāX)



**DO NOT WRITE ANYTHING HERE**

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फ़ाइल  
यहाँ से काटिए

Sl.No. :

नामांक	Roll No.

No. of Questions – 26

SS-21-Hindi Sah.

No. of Printed Pages – 7

## उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

### SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

#### हिन्दी साहित्य

समय : 3 $\frac{1}{4}$  घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

- 1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न – पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
- 2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
- 3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
- 4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
- 5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द – सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।

खण्ड – ‘अ’

- 1) छायावाद की प्रमुख विशेषताओं एवं कवियों का उल्लेख कीजिए। [4]  
 (उत्तर सीमा 80 शब्द)
- 2) भारतेन्दु युग के गद्य साहित्य की समीक्षा लिखिए। [4]  
 (उत्तर सीमा 80 शब्द)
- 3) रेखाचित्र और संस्मरण विधा की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]  
 (उत्तर सीमा 80 शब्द)
- 4) आधुनिक हिंदी नाटक परंपरा पर टिप्पणी लिखिए। [4]  
 (उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – ‘ब’

- 5) ओज गुण की परिभाषा लिखिए। [1]  
 (उत्तर सीमा 10 शब्द)
- 6) काव्य दोष किसे कहते हैं? [1]  
 (उत्तर सीमा 10 शब्द)

7) गीतिका छंद की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 50 शब्द)

8) द्रुतविलम्बित और वंशस्थ छंद की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 50 शब्द)

9) दृष्टांत अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

10) समासोक्ति एवं अन्योक्ति अलंकार का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

### खण्ड - 'स'

11) निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 80 शब्दों में कीजिए। [3]

अब मुझे मालूम हुआ कि कल गया ने मेरे साथ खेला नहीं, केवल खेलने का बहाना किया। उसने मुझे दया का पात्र समझा। मैंने धाँधली की, बेर्डमानी की, पर उसे जरा क्रोध न आया। इसीलिए की वह खेल न रहा था, मुझे खेला रहा था, मेरा मन रख रहा था। वह मुझे पदाकर मेरा कचूमर नहीं निकालना चाहता था। मैं अब अफसर हूँ। यह अफसरी मेरे और उसके बीच में दीवार बन गई है। मैं अब उसका लिहाज पा सकता हूँ, अदब पा सकता हूँ, साहचर्य नहीं पा सकता।

### अथवा

हमारी जिस संपन्नता का वर्णन इतिहास में मिलता है, वह कहीं से लूटकर तो नहीं लाए थे। सब कुछ अपने देश में उत्पन्न किया था। वह भूमि वे संसाधन आज भी हमारे पास हैं, जिनके बल पर हम फिर उसी संपन्नता को अर्जित कर सकते हैं। केवल संसाधनों के उचित दोहन व अपनी आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने की है। जैसे ही हम आवश्यक संतुलन बना लेंगे, हम अपना पुराना वैभव फिर से प्राप्त कर लेंगे।

12) निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 80 शब्दों में कीजिए। [3]

चिंता तो हरि नाँव की, और न चितवै दास।

जे कछु चितवै राम बिन, सोइ काल के पास॥

नैनां अंतरि आव तू, नैन झाँपि तोहि लेउँ।

ना हौ देखौं और कूँ, ना तुझ देखन देउँ॥

अथवा

आह! इस खेवा की ! -

कौन थामता है पतवार ऐसे अंधड़ में,

अन्धकार-पारावार गहन नियति-सा

उमड़ रहा है, ज्योति-रेखाहीन-क्षुब्ध हो

वींच ले चला है -

काल-धीवर अनन्त में

साँस-सफरी-सी अटकी है, किसकी आशा में?

13) भक्ति आंदोलन में तुलसी के योगदान पर अपने मौलिक विचार लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

‘सेव और देव’ कहानी अधर्म पर धर्म की विजय है। कथन पर समीक्षात्मक दृष्टि से विवेचन कीजिए।

- 14) रहीम के दोहों की भाषागत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

‘यशोधरा’ पठित काव्यांश के आधार पर यशोधरा की मनोस्थिति का चित्रण कीजिए।

- 15) परसाई जी के अनुसार प्रयाग और इलाहबाद शब्दों के प्रयोग में क्या अंतर है। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

- 16) ‘अपनी स्त्री का हुलिया लिखवाकर पकड़ मँगाना नीच का काम है।’ अलोपी ने ऐसा क्यों कहा? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

- 17) “भोर तैं साँझ लौं कानन-ओर निहारति बावरी नैकु न हारति।” पंक्ति का मंतव्य स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

- 18) ‘किरण-धेनुएँ’ कविता में चिन्तित प्रकृति सौंदर्य को अपने शब्दों में लिखिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

19) कवि पदमाकर अथवा लेखक बाबू गुलाबराय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए। [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

20) अंतः पाजेब का पता कैसे चलता है? [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

21) मंदोदरी राम और रावण के मध्य क्या अंतर बताती है? [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

### खण्ड - 'द'

22) भारत पुण्यभूमि कहलाने की अधिकारी है। क्यों? स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

सुभद्रा जी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

23) 'गेहूँ और गुलाब' अध्याय में राक्षसता से बचने का क्या उपाय बताया है? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

24) बोस ने क्रेस्कोग्राफ के माध्यम से क्या सिद्ध किया? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द )

25) ‘भोर का तारा’ एकांकी के आधार पर बताइये कि देश कवि से क्या बलिदान माँग रहा था? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द )

26) सुभाष को साधु जीवन से घृणा क्यों हो गई? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द )



**DO NOT WRITE ANYTHING HERE**